A-0426

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

DVK-102

कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप नित्यकर्म व देवपूजन

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. पूजन में अक्षत एवं दूर्वा प्रदान करने की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिए।

Q.2. यज्ञोपवीत संस्कार की आवश्यकता पर बल देते हुए सामाजिक भूमिका में योगदान पर विवेचन करें।

Q.3. पंचदेवों का परिचय प्रदान करते हुए किसी एक देवता पर विस्तृत निबन्ध लिखें।

Q.4. वैज्ञानिकता के आधार पर आरती एवं स्तोत्रों पर प्रकाश डालें।

Q.5. जीवन में व्रत एवं कथा क्यों आवश्यक है? विवेचन करें।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. अक्षरारम्भ संस्कार क्यों आवश्यक है? विवेचना करें।

Q.2. विशेषअर्घ्य समर्पण की विधि का उल्लेख करें।

Q.3. कलशस्थापन क्यों आवश्यक है? प्रकाश डालें।

Q.4. गणेश पूजन विधि का उल्लेख करें।

Q.5. श्री महालक्ष्मी पूजन कब किया जाता है बताएं।

Q.6. सत्यनारायण की आरती का उल्लेख करें।

P.T.O.

Q.7. श्रीमहालक्ष्मी की स्तुति का उल्लेख करें।

Q.8. व्रत की आवश्यकता पर प्रकाश डालें।

****